भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1500

उत्तर देने की तारीख : 31.07.2024

प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन

1500. श्री राजीव राय:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2019 से उत्तर प्रदेश के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन' (पीएम विकास) के अंतर्गत आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है तथा उपयोग की गई धनराशि कितनी है;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में पीएम विकास के अंतर्गत प्रशिक्षित किए गए लाभार्थियों का मऊ और बलिया जिलों सहित जिले-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) लाभार्थियों की रोजगार पाने की क्षमता में सुधार के लिए सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रिजिजू)

(क) और (ख): प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (PM विकास) एक एकीकृत योजना है जो मंत्रालय की पांच पूर्ववर्ती योजनाओं अर्थात सीखो और कमाओ, उस्ताद, हमारी धरोहर, नई रोशनी और नई मंजिल को एकीकृत करती है। सीखो और कमाओ, उस्ताद, नई रोशनी और नई मंजिल योजनाओं के तहत शुरूआत से अब तक उत्तर प्रदेश में कुल 3,50,135 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। इन योजनाओं को परियोजना स्तर के आधार पर परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से कार्यान्वित किया गया था, न कि राज्य स्तर के आधार पर, अतएव कोई राज्य-वार धनराशि आवंटित नहीं की गई थी।

(ग): PM विकास योजना में निम्नलिखित घटक शामिल हैं, जिनका उद्देश्य लक्षित लाभार्थियों के लिए रोजगार क्षमता में सुधार और बेहतर आजीविका के अवसर पैदा करने में सहायता करना है।

i) आधुनिक और पारंपरिक कौशल घटक

ii) महिला नेतृत्व और उद्यमशीलता घटक

iii) शिक्षा सहायता घटक (स्कूल ड्रॉपआउट के लिए)

योजना के घटक (i) और (iii) के तहत, कार्यान्वयन भागीदारों द्वारा क्रमशः कम से कम 75% और 70% लाभार्थियों (मजदूरी/स्वरोजगार के रूप में) की नियुक्ति किया जाना आवश्यक है। पूर्व में पारंपरिक कारीगरों और उद्यमियों के लिए मंत्रालय ने 41 हुनर हाट आयोजित किए थे जिसके माध्यम से देश भर के कारीगरों/शिल्पकारों और पाककला विशेषज्ञों को अपने हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों को प्रदर्शित करने और बाजार में बेचने का अवसर मिला है। इन कार्यक्रमों से कारीगरों, शिल्पकारों और संबंधित व्यक्तियों के लिए 8 लाख से अधिक रोजगार तथा रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। वर्तमान में, मंत्रालय द्वारा 16 से 31 जुलाई, 2024 तक दिल्ली हाट, आईएनए (नई दिल्ली) में लोक संवर्धन पर्व का आयोजन जिसमें पूरे भारत के कारीगरों ने भाग लिया, के माध्यम से उन्हें अपने कार्य-संचालन और व्यवसाय को बढ़ाने में सहायता प्रदान की गई।

*****